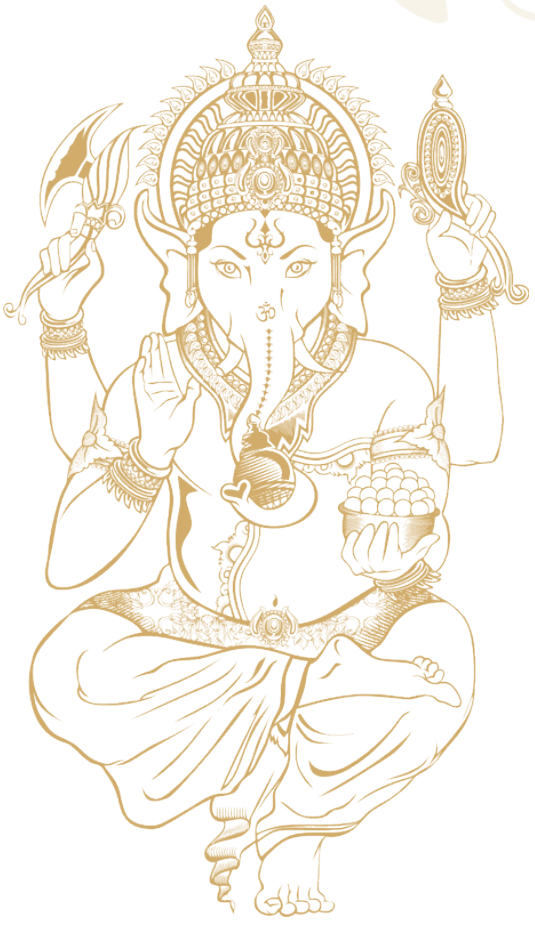

Shiv kumar mishra

Bindu pandey

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121518103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	03/05/1994
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	10:25:00 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Gonda
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	27:08:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	81:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:02:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	05:22:34
18:11:09	सूर्यास्त	18:35:58
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	मिथु	20:11:47	मंगल 5वर्ष 11मा 9दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	मेष	18:43:06	गुरु
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	मक	25:20:48	12/04/2018
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	मीन	20:26:31	12/04/2034
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	मेष	21:57:47	गुरु 30/05/2020
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु व	तुला	15:38:57	शनि 12/12/2022
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	वृष	14:36:40	बुध 18/03/2025
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि	कुंभ	16:33:52	केतु 22/02/2026
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	वृश्चि	00:05:48	शुक्र 23/10/2028
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	वृष	00:05:48	सूर्य 12/08/2029
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष व	मक	02:33:37	चन्द्र 12/12/2030
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप व	धनु	29:33:09	मंगल 17/11/2031
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	03:18:50	राहु 12/04/2034

लग्न-चलित

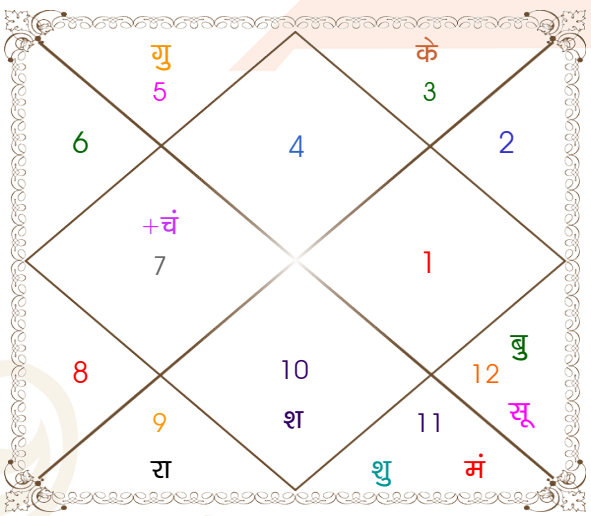

लग्न-चलित

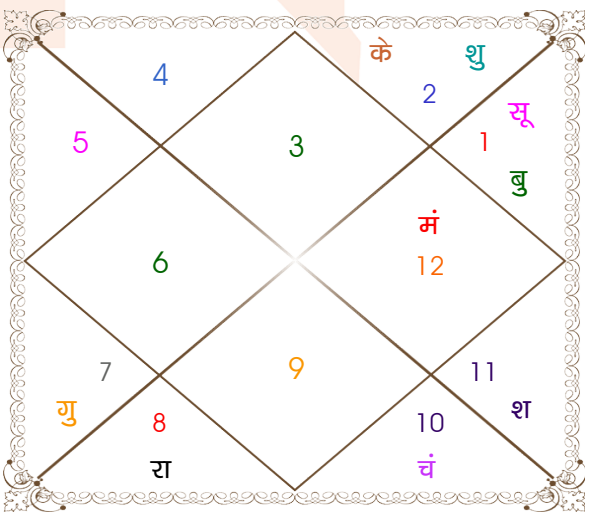

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

ौपअ ानउंत उपेीतं का वर्ग सर्प है तथा ठपदकन चंदकमल का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौपअ ानउंत उपेीतं और ठपदकन चंदकमल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअ ानउंत उपेीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ठपदकन चंदकमल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ठपदकन चंदकमल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअ ानउंत उपेीतं तथा ठपदकन चंदकमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।